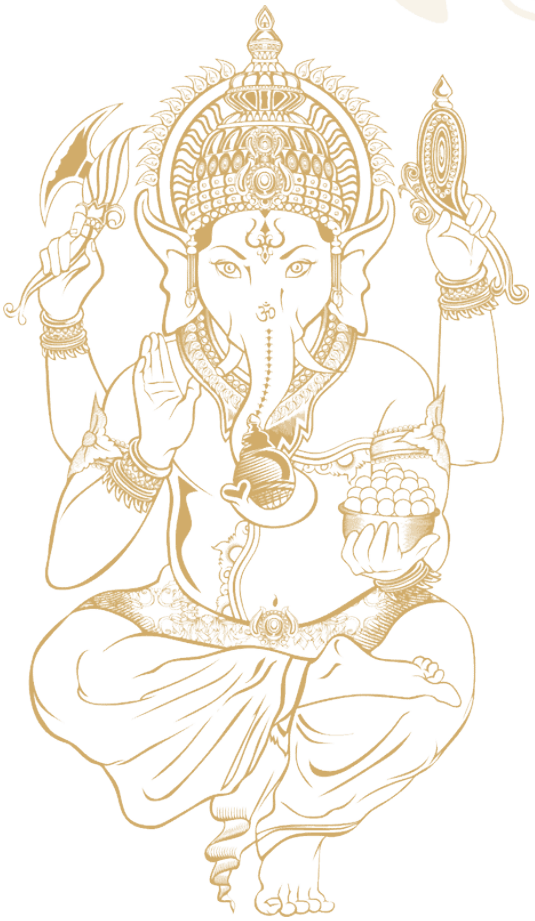

kkaran

shreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121472204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/10/1996	जन्म तिथि	26/10/2001
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:18:00	जन्म समय	22:00:00 घंटे
घटी 31:24:58	जन्म समय(घटी)	38:10:20 घटी
India	देश	India
Sri Ganganagar	स्थान	Delhi
29:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
73:53:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:00	सूर्योदय	06:29:06
17:52:37	सूर्यास्त	17:40:55
23:48:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 0मा 22दि	06:42:11	वृष	लग्न	मिथु	18:13:57	राहु 17वर्ष 0मा 7दि
चन्द्र	09:36:42	तुला	सूर्य	तुला	09:26:51	गुरु
18/11/2024	09:24:24	मेष	चंद्र	कुंभ	07:23:33	03/11/2018
18/11/2034	04:06:19	सिंह	मंगल	मक	05:24:59	03/11/2034
चन्द्र 18/09/2025	05:24:12	तुला	बुध	कन्या	21:30:52	गुरु 21/12/2020
मंगल 19/04/2026	18:09:55	धनु	गुरु	मिथु	21:44:04	शनि 05/07/2023
राहु 19/10/2027	02:39:56	कन्या	शुक्र	कन्या	20:02:39	बुध 09/10/2025
गुरु 17/02/2029	08:00:41	मीन व	शनि व	वृष	20:18:31	केतु 15/09/2026
शनि 18/09/2030	14:06:37	कन्या व	राहु व	मिथु	05:04:10	शुक्र 16/05/2029
बुध 18/02/2032	14:06:37	मीन व	केतु व	धनु	05:04:10	सूर्य 05/03/2030
केतु 18/09/2032	06:56:46	मक	हर्ष व	मक	27:02:23	चन्द्र 05/07/2031
शुक्र 20/05/2034	01:16:30	मक	नेप	मक	12:08:09	मंगल 09/06/2032
सूर्य 18/11/2034	08:03:15	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:43:54	राहु 03/11/2034

लग्न-चलित

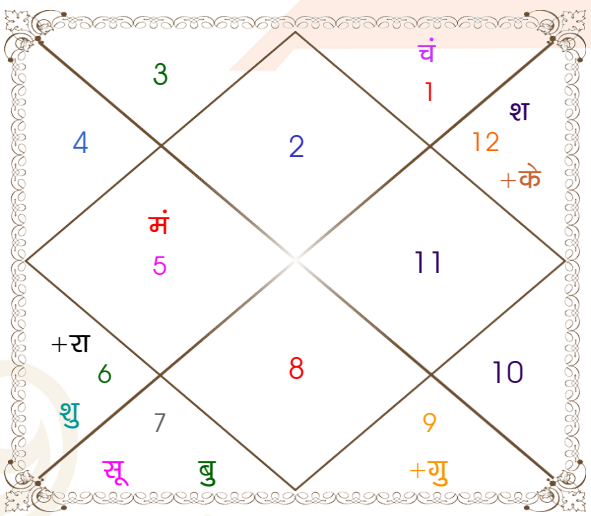

लग्न-चलित

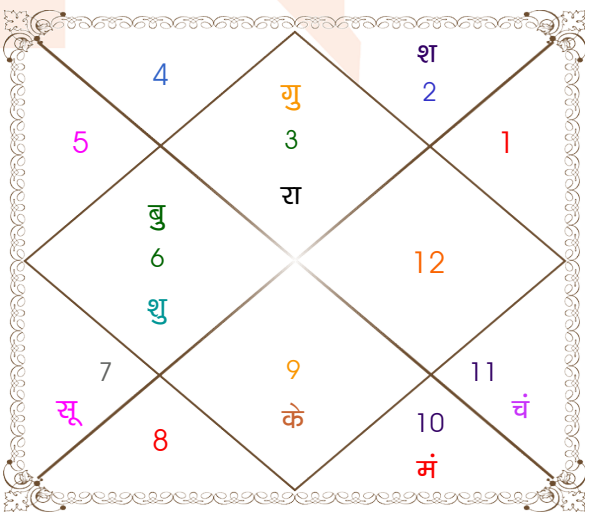

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

ांतंद का वर्ग सिंह है तथा shreya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ांतंद और shreya का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ांतंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

shreya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल shreya कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ांतंद कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ांतंद तथा shreya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।